लौकिक एवं पारलौकिक काव्यामृत

(सामाजिक एवं धार्मिक रचनायें)

रचयिता

रघुवीर प्रसाद गुप्त

Scanned with OKEN Scanner

लौकिक एवं पारलौकिक

काव्यामृत

(सामाजिक एवं धार्मिक रचनायें)

रचयिता

रघुवीर प्रसाद गुप्त

सर्वाधिकार रचयिता-अधीन

प्रथम संस्करण-सन् 2009

प्रतियाँ - 500

मूल्य - 60

प्रकाशक

श्री संतोष बाबू गुप्ता

बड़ागाँव (झाँसी)

मुद्रक-

पल्लवी ऑफसेट प्रेस

बड़ा मठ मानिक चौक, झाँसी

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	पेज नं.
1.	श्री गणेश अष्टक	9,10
2.	श्री सरस्वती जी की स्तुति	11
3.	'उद्‌बोधक दोहे	12, 13, 14,15
4.	बालकों को शिक्षा दें	16
5.	आदर्श शासक	17
6.	ना समझ गृहणी	18
7.	आदर्श गृहणी	19
8.	विकृत परिवार	20
9.	आदर्श परिवार	21
10.	आदर्श सास	22
11.	वृद्धजन (वरिष्ठ नागरिक दिवस)	23
12.	बहिन की आशा	24
13.	बहिन की भाई को राखी	24
14.	भाई को बहिन की याद	25,26
15.	भाई की प्रतीक्षा में रात बीती	26, 27
16.	वर देखा वर के गुण न देखे	28
18.	वसंत उत्सव गाँव की होली (लोकगीत)	29
19.	ग्रीष्म ऋतु महिमा	30
20.	गाँव के गरीब की बरसात	31, 32
21.	नव वर्ष संदेश	33
22.	इनसे बचियो	33, 34
23.	अंधानुकरण (लोकगीत)	35
24.	महात्मा गांधी जी का देश	36
25.	मद्य निषेध दिवस (शराबी)	37, 38
26.	विश्व जनसंख्या दिवस	39, 40
27.	पालतू व वन्य जीव संरक्षण दिवस	41
28.	जल संरक्षण दिवस	42
29.	विश्व जल संरक्षण दिवस	43

श्री शिव पार्वती विवाह

30.	श्री गणेशाय नमः	44
31.	श्री सरस्वती नमः	45

Scanned with OKEN Scanner

क्र.सं.	विषय	पेज नं.
32.	वर की खोज	45
33.	शैलकुमारी की कठिन तपस्या	46
34.	श्री शिवजी विचार मग्न	46
35.	श्री शिवजी बन्ना भेष में	47
36.	श्री भोले की बारात	48
37.	दूल्हा भेष में शिवजी गिरिराज के द्वार पर	48
38.	मैना माँ की सोच	49
39.	माँ द्वारा दूल्हा को सम्बोधन	49
40.	बेटी को शिक्षा	50
41.	बेटी की विदाई	50
42.	गारी सजन समधी (1) (2)	51
43.	प्रथमवार बिटिया का सोच	52
44.	माँ का विलाप	53
45.	श्री शिव पार्वती कैलाश पर्वत पर (डमडोरा गीत)	53
46.	श्री शिव वन्दना	54
	श्री रामजानकी विवाह	
47.	जनकपुर में बन्नागीत	55
48.	अवधपुर में बन्नागीत	56
49.	अवधपुर में दूल्हा निकासी	56
50.	बन्ना भेष में श्रीराम (1) (2)	57
51.	दोनों पक्ष के चारण	58
52.	माँ सुनैना का परमानन्द (1) (2)	58
53.	श्री रामजानकी सुन्दर जोड़ी	59
	1) माँ का दूल्हा को सम्बोधन (देखिये शिव पार्वती विवाह)	49
	2) बेटी को शिक्षा (देखिये शिव पार्वती विवाह)	50
	3) बेटी की विदाई (देखिये शिव पार्वती विवाह)	50
	4) प्रथमवार बिटिया का सोच (देखिये शिव पार्वती विवाह)	52
	5) सजन समधी गारी (देखिये शिव पार्वती विवाह)	51
	6) माँ का विलाप (देखिये शिव पार्वती विवाह)	53
54.	चेतावनी	60
55.	बारात की अवधपुर वापिसी	61
56.	श्रीराम बन्दना	61

Scanned with OKEN Scanner

क्र.सं.	विषय	पेज नं.
	श्रीरामचरित के कुछ पावन प्रसंग	
57.	आवाहन गीत	62
58.	श्रीराम की बाल छवि	63
59.	झूलागीत	64
60.	राम वनगमन की खबर	64
61.	बिनाराम सब सूना	65
62.	केवट की भाव भक्ति	65
63.	श्रीराम का नगर में प्रवेश न करना	66
64.	ग्राम की महिलाओं द्वारा श्री सीताजी से परिचय पूंछना	66
65.	वनपथ पर श्रीराम, सीता व लक्ष्मण जी	67
66.	ग्रामवासियों का विषाद व हर्ष	67
67.	श्री भरत जी द्वारा श्रीराम का पता पूँछना	68
68.	चित्रकूट में श्री भरत जी का विषाद	69
69.	श्री भरतजी की श्रीराम से याचना	70
70.	पावस में श्री राम के विषय में चिन्ता	70
71.	श्री हनुमान जी द्वारा रावण को सद्ज्ञान देना	71
72.	श्री हनुमान जी की निष्काम भक्ति	72
73.	मंदोदरी का रावण को समझाना	73
74.	श्री अंगद जी का रावण को समझाना	73
75.	श्री हनुमान जी द्वारा श्री भरत को राम के आगमन की सूचना देना	74
76.	दीपावली संदेश	75
	श्री कृष्ण लीला	
77.	आवाहन (1) मैं वाट तकूँ हरि आवन की	76
78.	आवाहन (2) आओ श्याम हमारे बीच	77, 78
79.	श्री कृष्ण की याद	79
80.	1) गोपिका विरह गीत (बिन देखे चैन परत नइयाँ)	79
81.	2) गोपिका विरह गीत (श्याम बिन कैसे कटें दिन रैन)	80
82.	3) गोपिका विरह गीत (मुकुंद माधव मोहन मुरारी)	81
	4) विरहगीत (हरी विन कितऊँ नहीं सुख चैन)	82
83.	श्री कृष्ण लीला समग्र	83
	वन्दना, स्तुति, कीर्तन एवं चेतावनियाँ	
84.	श्री सरस्वती वन्दना	85
86.	श्री गुरु वन्दना	86

Scanned with OKEN Scanner

क्र.सं.	विषय	पेज नं.
87.	श्री दुर्गा जी की स्तुति	86-89
	1) करके सिंह सवारी मां 2) मैया कर देव नैया पार	86-87
	3) बड़ी देर भई हो, बड़ी देर भई 4) अबकर दो कृपा मोरि माइ	87-88
	5) मैया जगदम्बे महरानी	89
88.	श्री हनुमान जी से प्रार्थना	89
89.	निराश की आश	90
90.	प्रभु विश्वास दो	90
91.	भक्त की याचना	91
92.	भक्त की अभिलाषा	92
93.	श्री राम से प्रार्थना	92
94.	श्री रामचरित मानस महिमा	93,94
95.	कीर्तन (1) (2) (3)	95-97
96.	वसंत बहार	98
97.	सच्ची प्रीति	98
98.	चेतावनी	99
	1) मन भूलो भूल भुलैयन में	99
	2) दिन आ गये राम बुढ़ापे के	100
	3) जा कैसी लीला नटवर की	101
	4) सुधि कर लेव भइया वा दिन की	101
	5) भइया काय फिरो गर्राने	102
	6) भैया कोऊ जान न पाया	103
	7) अज्ञानी टेसू	104
	8) परोपकारी टेसू	105
	9) सब स्वारथ के मीत	106
	10) इकदिन सबई छोड़ के जाने	106
	11) जगत जो रैन बसेरा रे	107
	12) होनी होई के रहे	107
	13) जा काया फीकी रे	108
	14) मन रे काय करे मनमानी	109
99.	शरीर और जीवात्मा का सम्वाद	110
100.	जीवन का अन्तिम पड़ाव	111
101.	प्रार्थना	111
102.	पाठकों से अनुरोध	112

Scanned with OKEN Scanner

परिचय

नाम	:	रघुवीर प्रसाद गुप्त
पिता	:	स्व. श्री अयोध्या प्रसाद सरावगी
माता	:	स्व. राजकुँवर देवी
पत्नि	:	श्रीमती सावित्री देवी
पुत्र	:	संतोष बाबू गुप्त
पुत्रियाँ	:	ऊषा, साधना एवं सीमा गुप्ता
अग्रज	:	स्व. श्री सियाशरण गुप्त सिद्ध हस्त वैद्य, धार्मिक, सरल और सादगी पसंद तथा अनेक शुभकार्यों में मेरे प्रेरणा स्रोत।
जन्मस्थान	:	ग्राम हाटी पो. नोटा जि. झाँसी
निवासी	:	ग्राम - टहरौली जि. झाँसी उ.प्र.
जन्म तिथि	:	3 अगस्त सन् 1937
शिक्षा	:	एम.ए.राजनीति एवं अंग्रेजी, बी.टी., साहित्य रत्न, आयुर्वेदभिषक्
व्यवसाय	:	सेवा निवृत्त प्रवक्ता श्री कृष्ण आदर्श इण्टर कॉलेज बड़ागाँव, झाँसी (उ.प्र.)
रचनायें	:	सामयिक गीत, कवितायें, बुन्देली भाषा में लोकगीत आदि। प्रकाशित पुस्तकें- राष्ट्रीय चेतना स्वर (राष्ट्रीय कवितायें), लौकिक एवं पारलौकिक काव्यामृत (सामाजिक एवं धार्मिक रचनायें) अप्रकाशित- नागफनी के फूल
साहित्य सेवा	:	संरक्षक, पूर्व अध्यक्ष निराला साहित्य संगम बड़ागाँव झाँसी (उ. प्र.)
उद्देश्य	:	देश प्रेम, विशुद्ध राष्ट्रीयता एवं विश्वबन्धुत्व की भावना के साथ श्रेष्ठ मानवीय गुणों का विकास करना।
सम्पर्क सूत्र	:	1) रघुवीर प्रसाद गुप्त (से.नि.प्रवक्ता) बड़ागाँव, झाँसी (उ.प्र.) फोन-0510-2750610 2) रघुवीर प्रसाद गुप्त (से.नि. प्रवक्ता) ग्राम पो. टहरौली जि. झाँसी (उ.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner